आओ विदयार्थी आत्महत्यामुक्त भारत करे !

जवान विदयार्थीओंमे आत्महत्या यह मृत्यु का सबसे प्रमुख कारण हैं ! यह जानकारी सबको देकर हम इसे बदल देंगे !जीना जीने लायक नही लगता इसलिए लोग आत्महत्या करते हैं !

१) सब कहते उसने अचानक जान दे दी ! यह अचानक नही हैं ! जो जानता नही उसे कुछ नही दिखता !

अगर हम ध्यान से देखे सुने तो हमें समझता है की उस व्यक्ती के बर्ताव से बोलने से हम जान सकते है कि यह आत्महत्या कर सकता हैं ! हम उसे रोक सकते हैं ! एक जान बचाने का पुण्य का काम कर सकते हैं ! उसे डॉक्टरोंकी सलाह से बचा सकते हैं !

२) १०९८ यह फोन लगानेपर बच्चों की जान बचाने के लिए जरुरी जानकारी मिलेगी ! यह सेवा बंबई में हैं ! यह देशभर मिलना चाहीए ! १०९८ जैसी फोन सेवा ने संसारभर में बहुत जाने बचायी हैं ! आधी आबादी बच्चों की हैं ! सरकार का आधा पैसा बच्चों के लिए होना चाहीए ! पर आज ५ % भी बच्चों के लिए खर्च नही होता ! यहा सुझाये हुए सुझाओंके लिए सरकार को खर्चा करना चाहीए ! बच्चे हमारे हैं ! आओ हम भी कुछ ना कुछ तो करेंगे ही !

३)आत्महत्या करने वाले बहुत से बच्चे होस्टेल के निवासी होते हैं ! वे पढाई के लिए परिवार से दुर अकेले रहते हैं ! माता पिता और बच्चों ने रोज फोनपर बात करना चाहीए ! नये मोबाईल फोन , इंटरनेट से एक दुसरे को देख भी सकते हैं ! यह ज्यादा लाभकारी हैं ! यह माता पिताओं को बहुत आनंद देता हैं ! ऐसा अमरिका का अभ्यास हैं !

४) एक संस्कृत सुभाषित हैं वह कहता हैं की १६ साल के बच्चो से

मित्र जैसा व्यवहार करे ! मैत्री के अभाव से ही बच्चे हालत बिगडने पर आत्महत्या करने से पहले मातापिता को बताते नही ! मित्रता हो तो वे कठीनायी होते ही मातापिता को बतायेंगे और वह सुलझतेही आत्महत्या टलेंगी !

५) परिक्षामें फेल होनेपर या कुछ गलत होनेपर अगर मातापिता पिठपर प्रेम से हाथ रखकर धीरज देते हैं तो बच्चे संभलते हैं अगले बार पास होते हैं गलती सुधारते हैं ! फेल होनेपर डंडे पडने वाले हो तो बच्चे आत्महत्या करते हैं ! बच्चों को जैसे वे है वैसा स्वीकार करे !

भगवान की दया कृपा से हम मां बाप बन जाते हैं ! पर अच्छे माता पिता बनने के लिए कुछ सिखना पढेगा ! यह ज्ञान देनेवाली किताबें हैं ! इंटरनेट से भी जानकारी मिलेगी ! रोज बच्चों से पुछीयें सब ठीक तो हैं न ! जिन्होंने आत्महत्या की उनके मातापिताओंको कुछ बिगडा हैं यह मालुम ही नही होता !

६)विदयार्थीओंकी आत्महत्या कैसे रोके अैसा एक मुफ्त कार्यक्रम डॉ.अमोल अन्नदाते ने ठाने महाराष्ट्र में किया ! बहोत कम लोग आये ! शायद सबको लगता हैं की मेरे घर में यह नही होगा ! पर रोज कोई ना कोई बच्चे भारत में आत्महत्या करते ही हैं !

७) जो बच्चे यशस्वी होते हैं वे आत्महत्या नही करते ! भीष्मराज बाम जी भारत के जो खिलाडी अपनी क्षेत्र में संसार में आगे है उनके गुरु हैं ! उनकी किताबें पढे ! अखबार टि.व्ही रेडीओने बच्चों की अच्छी परवरीश करना सिखाना चाहीए !

संस्कार - सुसंस्कार ही आत्महत्या टाल सकते है ! हितोपदेश, पंचतंत्र यह कहानी की किताबें , विनोबाजी का साहीत्य , रामायण महाभारत पुरा परिवार रात को भोजन के बाद पढेगा तो सुसंस्कार होगे ! सब

अच्छे बनेंगे ! आत्महत्या टलेगी !योग सिखे ! मनपर का काबु जाने के बाद ही आत्महत्या होती हैं ! योग मनपर काबु पाने को सिखाता हैं पांतजली ऋषी ने (ऋषी का मतलब शास्त्रज्ञ) योग के बारे में ही सब जानकारी एक करकर पांतजली योग का निर्माण किया ! इसके आठ विभाग हैं ! उन्हे आठ अंग कहते है ! इसिलिए इसे अष्टांग योग भी कहते हैं ! इसके आठ अंग हैं ! सब योग पध्दतीओंकी जड पांतजली योग में हैं ! यम , नियम , आसन , प्राणायाम , प्रत्याहार , ध्यान , धारणा , समाधी यह उसके आठ अंग हैं ! योग से मनपर काबू आता हैं ! योग सिखीये सबको सिखाईये ! योग हमें सुपरमॅन सुपरवूमन बनाता हैं !आज आपने सिनेमा टि.व्ही. रेडीओ , अखबार से क्या जाना यह जरुर बच्चों से चर्चा करे ! उन्हें बताये की टि.व्ही. की हर बात सच्ची नही होती ! उन्हे अच्छा और बुरा अलग करने को सिखाइये ! इसे ही विवेक कहते हैं !

८)जो रोज खेलते नाचते हैं वे सुखी आनंदी यशस्वी होते हैं ! आत्महत्या नही करते ! यह करकर देखे ! हम सब रोज सुबह १५ मिनीट नांचे ! टी.व्ही या संगीत लगाकर मस्त नांचे !जैसा आये वैसा नाचे ! फिर १५ मिनीट शांत रहे ! फिर आपको दिनभर मस्त लगेगा ! अनुभव किजीये और सबको बताईये !यह ओशोके डान्सींग मेडीटेशन की सीख हैं !

९) बच्चों के सब मेडल सर्टीफिकेट अच्छे फोटो दिवारपर लगाओ ! उनके अच्छे चीजों को अक्सर दोहराओं वे और अच्छे बनेंगे ! हम ३ इडीयट बनानेवाले हिरानीजीके आमीर खान के आभारी है उन्होंने इन विषय को चर्चा में लाया ! यह फोनपर बच्चों को बताये !

इसपर चर्चा करे !

१०) यह आत्महत्या बारहवी और कॉलेज के छात्र करते हैं ! पर यह जानो की ६०% बच्चों को दसवी से पहूलेही स्कुल छोडना पहता हैं ! १० वी १२ वी में ५० % बच्चे फेल होते हैं ! इंजीनियरींग जानेवाले ९० % बच्चे पहले साल फेल होते हैं ! आधे बच्चे प्राथमिक शालाओंमे नही जाते ! और इससे सर्वाधिक भुखमरीसे मरते हैं !८००० बच्चे रोज मर जाते हैं !

११) सरकार जो टिके मुफ्त देती है सब टिके सब बच्चों को मिले ! तो भी बहुत मौते घटेंगी ! बच्चों के लिए दाना पानी जमीनपर घर के एक कोने में हरपल हो ! ताकी वे हरपल किसी को पुछे बिना खा पी सके ! तो भुखमरीसे मौते बंद होगी !

यह जानकारी हम १२० कोटी भारतीयोंको गपशप , एस.एम.एस. फोन, ईमेल से और टि.व्ही, रेडीओ , इंटरनेट और अखबार की मदत से सब भारतीय भाषाओंमे दे ! तो यह सब मौते टलेगी और भारत विदयार्थी आत्महत्यामुक्त भारत बनेगा ! आओ यह करे !

जय हिंद !